भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 441
04 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए

केरल के तटों पर मछलियों के पकड़ने के मामलों में कमी

+441. डॉ. शशि थरूर:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) विगत दस वर्षों के दौरान केरल के तटों पर पकड़ी गई ऑयल सार्डिन और मैकेरल की वार्षिक मात्रा का ब्यौरा क्या क्या है;
(ख) क्या सरकार अथवा केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान ने केरल के तटों पर प्रसिद्ध मछलियों के पकड़ने के मामलों में कमी का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार उपर्युक्त मुद्दे का अध्ययन या अनुसंधान करने पर विचार करेगी और इसके समाधान के लिए उपाय सुझाएगी?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क): केरल सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, विगत 10 वर्षों के दौरान केरल तट पर पकड़ी गई ऑयल सार्डिन और मैकेरल की वार्षिक लैंडिंग (टन में) नीचे दी गई है:

वर्ष	ऑयल सार्डिन	मैकेरल
2014	1,55,087	52,053
2015	68,431	70,079
2016	45,958	47,253
2017	1,26,988	33,336
2018	77,093	80,568
2019	44,320	40,554
2020	13,154	55,725
2021	3,297	56,029
2022	1,10,267	1,01,114
2023	1,38,976	73,193
कुल (2014-23)	**7,83,571**	**6,09,904**

(ख): केरल के फिश लैंडिंग सेंटर्स और फिशिंग हारबर्स में अनुमानित लैंडिंग से संकेत मिलता है कि प्रमुख फिश स्टॉक का रुझान कुल मिलाकर स्थिर है। प्रति इकाई लैंडिंग प्रयास भी लगभग स्थिर रुझान को दर्शाती है। कोविड-19 महामारी से प्रभावित वर्ष अर्थात 2020 और 2021 के दौरान असामान्य परिवर्तन देखा गया था।

(ग): प्रश्न नहीं उठता।

*****